

प्रेषक,

पी०सी० शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,
बी०आई०पी० हंगर, जौलीग्राम एअरपोर्ट,
देहरादून, उत्तराखण्ड।

परिवहन एवं नागरिक उड्डयन अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 29 फरवरी, 2009

विषय:- जनपद देहरादून के भानियावाला-थानो-रायपुर मार्ग से जौलीग्राम एअरपोर्ट के टर्मिनल भवन तक चार लेन मार्ग के द्वारिका आगमन की वर्ष 2008-09 में प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय

उपरोक्त विषयक जिलाधिकारी देहरादून के पत्र संख्या-2858/आ०ले०-08 दिनांक 22 जनवरी 2009 तथा मुख्य अभियंता ग० ले० लो०नि०दि० बी०डी के पत्र संख्या-221/याता०-प००/08 दिनांक 31-10-08 तथा विमानपत्तन नियंत्रक देहरादून के पत्र संख्या-ए०ए०आई०/डी०एन०/ए०पी०सी०/सुरक्षा/1565-06 दिनांक 21-11-2008 के क्रम में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून के भानियावाला-थानो-रायपुर मार्ग से जौलीग्राम एअरपोर्ट के टर्मिनल भवन तक चार लेन मार्ग निर्माण भूमि अध्यापित एवं एन०पी०सी० आदि के प्राविधान सहित एकमुश्त धनराशि हेतु अधिसारी अभियंता, अस्थाई खण्ड, लो०नि०दि० ऋषिकेश के द्वारा गठित आगमन रु० 145.00 लाख (रु० एक करोड़ पैंतालीस लाख मात्र) को संप्रेष टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त सरतुत रुपये 137.42 लाख (रु० एक करोड़ तीस लाख बयालीस हजार मात्र) की लागत के आगमनों (प्रतिलिपि संलग्न हैं) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 में इतनी ही धनराशि को निर्वात पर रखी गई धनराशि में से व्यय की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं - :

- 1- उक्त धनराशि की आहरण की अलग से स्वीकृति प्रदान नहीं की जा रही है। बल्कि इस धनराशि का व्यय हेतु आहरण शासनादेश संख्या-252/77/IX/2008/स०ना०उ० दिनांक 22 मई 2008 द्वारा आपके निवेदन पर रखी गयी धनराशि से ही किया जायेगा। उसकी पृथक से व्यय की स्वीकृति नहीं दी जा रही है।
- 2- उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 30.05.08 के क्रम में प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन की अध्यक्षता में दिनांक 10.02.09 को हुई बैठक के अनुसार कार्यवाही का अनुपालन किया जाना सुनिश्चित करें।
- 3- उक्त धनराशि अधिसारी अभियंता, अस्थाई खण्ड लो०नि०दि० ऋषिकेश को रेखांकित बैंक ड्राफ्ट अथवा कोषागार चेक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी। निर्माण कार्य कराते समय नियमानुसार स्टोर भरोल नियमों का ध्यान रखा जाय।

कमरा:.....

- 3- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विस्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से तौ गयीं हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
- 4- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितनी शशि स्वीकृति की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- 6- एक मुस्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगमन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।
- 7- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लैंग्विजि द्वारा प्रकृतित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- 8- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं गृहमंत्री से कार्य स्थल का भूमी-भौतिक निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए, तथा निरीक्षण के पश्चात् दिखे गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
- 9- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए एवं इस संबंध में पूर्ण माफको एवं स्टोर पर्यंत नियमों का पालन कराई से किया जाए।
- 10- मुख्य राशियुक्तखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-291(2006) दिनांक 30-5-06 द्वारा निर्गत आदेशों का अवधान करते समय का आगमन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने के लक्ष्य करें।
- 11- जिलाधिकारी को-03 की शर्तों के अनुसार निर्माण ईकाई को वसूली सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण ईकाई से बकाया वसूल किया जाएगा।
- 12- इस सम्बन्ध में व्यय विवरण तथा आवश्यक वाउचर आदि सुरक्षित रखे जायेंगे।
- 13- व्यय करने से पूर्व जिन मानकों में बजट मैनुअल तथा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियम निर्देशों तथा अस्थाई आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारों की स्वीकृति हो उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
- 14- आगमन में जिन मदों हेतु जो शशि स्वीकृति की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाए। एक मद का दूसरी मद में कदापि व्यय न किया जाए।
- 15- धनराशि का प्रयोग करती समय गतिविधता सम्बन्धी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 16- स्वीकृति की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग कर उरामी भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की सूचना निर्धारित प्रपत्र पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। उक्त धनराशि का दिनांक 31-3-09 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा यदि दिनांक 31-3-09 तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दी जायेगी।
- 17- कार्य की निर्माण के सम्बन्ध में विगत विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश दिनांक 5-4-04 का अनुपालन किया जायेगा।

- 18- कार्य अनुमोदित आगमन की सीमान्तगत की करावी जाव किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगमन/अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
- 19- कार्यदायी संस्था/ईकाई द्वारा निर्दिष्ट मुद्दों/कार्यों के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की मद को परिवर्तित नहीं किया जायेगा।
- 20- कार्यदायी संस्था को आवंटित कार्य को निश्चित समय सीमा में पूर्ण कराया जाना होगा कार्य की गुणवत्ता में कमी, कार्यों में शिथिलता एवं समयबद्धता के लिये सम्बन्धित निर्माण ईकाई पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-24 के अन्तर्गत 5053-भागर विमानन पर पेंजीगत परिसर-02-विमानक्षेत्र-आयोजनगत-800-अन्य मद-04-हवाई पट्टी का सुदृढीकरण एवं अन्य सम्बद्ध निर्माण कार्य -00-24 वृहद निर्माण की मद के नामे खाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1150/XXV(2)/2009, दिनांक 19 फरवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या- 1150/IX /2009/2008 तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आदेश के माध्यम से जारी किया जायेगा।

- 1- महालेखाकार (आवेद) उत्तराखण्ड (आवेद) रजि. नं. सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (ए एण्ड ई) उत्तराखण्ड (ए एण्ड ई) अखिल, मोरस, बिल्डिंग सतारनपुर रोड मजरा देहरादून।
- 3- सचिव लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- आयुक्त, मजदूर, मजदूर, पीडी।
- 5- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 6- मुख्य अभियंता, देहरादून।
- 7- मुख्य अभियंता, (प्रथम) लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
- 8- मुख्य अभियंता, (गोखल) लोक निर्माण विभाग, पीडी।
- 9- जिलाधिकारी अभियंता, नगर नगर लोक निर्माण देहरादून।
- 10- जिलाधिकारी अभियंता, अखिल खन्ड, लोक निर्माण आयोग (देहरादून)।
- 11- एक्स्पर्ट आफिसर, जिलाधिकारी एक्स्पर्ट, देहरादून।
- 12- विभा अनुभाग-2
- 13- गार्ड फाईल।
- ✓ एन०आइ०सी० सचिवालय प्रारित देहरादून।

आज्ञा से,

(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव।